भौगोलिक परिचय

अरावली पर्वत श्रंखलाओं की गोद में बसे सवाई माधोपुर से 15 किलोमीटर दूर दौसा सवाई माधोपुर स्टेट हाईवे नंबर –11 पर बसे हैं गांव अजनोटी और मैनपुरा। इन्हीं दोनों गांवों के खेतों के मध्य बसा है हमारा शबरी कृषि फार्म। रणथंभौर नेशनल पार्क एवं सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय से इसकी दूरी केवल 15 किलोमीटर है।

कुल 20+ एकड़ में फैला हुआ शबरी कृषि फार्म प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण एक अनौपचारिक और मनमोहक वातावरण प्रस्तुत करता है। इसका एक प्रमुख कारण इसके लगभग बीच से निकलती एक सड़क है जो स्टेट हाईवे को गांव से जोड़ती है जिसके कारण न केवल यहां पहुंचना आसान है बल्कि आसपास के ग्रामीणों के लिए यहां आना उनकी दिनचर्या का एक भाग जैसा है।

Archana Meena

CEO - Shabri Organic Farm, Ajnoti, SWM

Phone: +91 94 13 94 1000
E-mail: archanameenaoffice@gmail.com
Website: www.archanameena.com

/ Archana.Social / _ArchanaMeena / Archana.Social

OFFICE

Phone: +91 7462294095, +91 7412077915
E-mail: info@shabriorganic.com, support@shabriorganic.com
Website: www.shabriorganic.com

Mainpura, Ajnoti, Sawai Madhopur - 322027 (Raj.)

Shabri Organic

विशेष

पर्यावरण के प्रति सुरक्षा

पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति उत्तर दायित्व का निर्वहन आज मानव जाति का सबसे बड़ा कर्तव्य है। एक किसान इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। शबरी पर हमारा यही प्रयास रहता है कि हम ऑर्गेनिक खेती के द्वारा ना केवल हमारी टॉप सॉइल की गुणवत्ता को बरकरार रखें बल्कि साथ ही जीरोवेस्ट सिस्टम को अपनाते हुए पूर्ण रूप से स्वावलंबी फार्मिंग को प्रोत्साहित करें। हमारे किसी भी सिस्टम में हम ऐसी किसी तकनीक का प्रयोग नहीं करते जिससे वातावरण में प्रदूषण फैले।

शबरी को प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने के लिए हम वचनबद्ध हैं। फार्म और उसके आसपास के क्षेत्र में वृक्षारोपण कर पर्यावरण की रक्षा में हम अपना योगदान देते हैं, साथ ही प्राकृतिक ऊर्जा स्रोत जैसे सौर ऊर्जा और गोबर गैस का अधिकतम प्रयोग करते हैं ताकि वन संपदा को बचाया जा सके।

पेस्टिसाइड मुक्त कृषि

शबरी कृषि फार्म के समस्त उत्पाद पेस्टिसाइड मुक्त है। इस संपूर्ण क्षेत्र में केमिकल फर्टिलाइजर्स को छोड़, ऑर्गेनिक वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन कर, उसे काम में लाकर जैविक खेती करने वाले हम प्रथम थे। हमें प्रसन्नता है कि आज हमारे आसपास के क्षेत्र में वर्मी कंपोस्ट का अधिकाधिक प्रयोग होता है और उसके सकारात्मक परिणामों की ओर किसानों की जागरूकता बढ़ी है।

दिशा वही, सोच नई

लीक से हटकर सोचने और निरंतर नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता के चलते हम अपने सीमित क्षेत्रफल की कृषि योग्य भूमि में, श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करते आए हैं। डेयरी का संचालन, दुग्ध एवं दूध से बने पदार्थों का उत्पादन व फल, सब्जियों और पशुओं के लिए चारे का प्रबंध, सभी एक लंबे सतत प्रयोगों के कारण संभव है। इसमें सबसे अधिक कारगर साबित हुई है हमारी कार्य योजना। एक निश्चित योजना के अनुसार हम उसका अनुसरण करते हैं ताकि आप तक सर्वश्रेष्ठ पहुंचा सके और वह भी निर्धारित समय सीमा में।

युवाओं का रुझान

आज 100% आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते भारत में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका ग्रामीण युवाओं की है। पढ़ा–लिखा युवा वर्ग वैज्ञानिक तरीके से जैविक खेती को अपनाएं, इसी ओर प्रोत्साहित करने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। समय–समय पर हम संगोष्ठियां आयोजित करते हैं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के टूर आयोजित करते हैं, ताकि एक व्यवसाय के तौर पर कृषि और डेयरी को युवा अधिकाधिक संख्या में अपनाएं।

जैविक खेती

आज भी समय है कि हम अपने पृथ्वी और पर्यावरण को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाने में अपना योगदान दे सकते हैं। शबरी फॉर्म पर हम वर्मी कंपोस्ट के प्रयोग कर किस प्रकार उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं, इसकी संपूर्ण जानकारी देते हैं। उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाला वर्मी कंपोस्ट बना कर एवं अन्य किसानों के लिए उपलब्ध करवाकर हम इसके प्रयोग को बढ़ावा देने का पूर्ण प्रयास करते हैं।

स्वावलंबी फार्म

किसी भी फार्मिंग व्यवसाय की सफलता उसके स्वाबलंबी होने से ही संभव है। पशुओं के लिए चारे का उत्पादन हो या सब्जी व फलों का बगीचा, हमें हमारे पशुओं (देशी गाय) से प्राप्त गोबर से बना वर्मी कंपोस्ट हमारे फार्म पर ही उत्पादन करने से सुलभ रहता है। डेयरी और कृषि प्राचीन काल से एक दूसरे के पूरक व्यवसाय का कार्य करते हैं। हमारे फार्म पर काम आने वाली प्रत्येक वस्तु हम स्वयं बनाने का या स्थानीय क्षेत्र से लेने का प्रयास करते हैं ताकि हम एक कम्युनिटी बना सकें जिसमे सभी एक दूसरे की सहायता कर सकें।

शुद्धता

हमारी प्राथमिकता सभी का स्वास्थ्य है, यही कारण है कि हम हमारे उत्पादों की शुद्धता व गुणवत्ता को बरकरार रख पाने में सफल है। हमारे डेयरी के अधिकांश उत्पाद बिना मानव हाथ के स्पर्श के आपके पास पहुंचते हैं। डेयरी में व फल सब्जियों की पैकिंग में हमारे यहां स्वच्छ वातावरण में शुद्धता का पूर्ण रुप से ध्यान रखा जाता है।

ड्रिप इरिगेशन

सवाईमाधोपुर व उसके आसपास के कृषि भूमि क्षेत्र में जलस्त्रोतों में जलस्तर प्रतिवर्ष होने वाली वर्षा पर निर्भर है। अधिकांशत कृषि योग्य जल की कमी रहती है। इसी कारण हमने अपने फॉर्म में ड्रिप इरिगेशन के द्वारा सिंचाई को प्राथमिकता दी है, ताकि पानी का व्यर्थ बहाव रोका जा सके और बूंद बूंद जल का उपयोग हो सके।

हाइड्रोफोनिक चारा

हाइड्रोफोनिक चारा ना केवल पशुओं के लिए उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला पौष्टिकआहार है, बल्कि इसे बहुत कम पानी और कम से कम स्थान में भी पैदा किया जा सकता है। हायड्रोफोनिक चारे के प्रयोग से हम अपनी भूमि की टॉप सॉइल को बचाए रखने में भी सफल होते हैं। दुधारू पशुओं के लिए हाइड्रोफोनिक विधि से उगाया हुआ अनाज अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक साबित हुआ है।

स्वच्छता

दुग्ध उत्पादन में पशुओं के इर्द–गिर्द के वातावरण व दूध एवं दुग्ध उत्पादों को संक्रमण से बचाए रखने के लिए, पूरे डेयरी क्षेत्र में स्वास्थ्य की दृष्टि से पूर्ण स्वच्छता के मानकों का पालन अति आवश्यक है। और यही हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारा प्रयास यही है कि आप तक बिना मानव स्पर्श के, कम से कम समय में स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद पहुंच सके।

कम से कम समय में पहुंच

दूध के साथ हरी पत्तेदार सब्जियों को एक निर्धारित समय अवधि में उपभोक्ता तक पहुंचाना हमारा प्रथम उद्देश्य रहता है, ताकि स्वास्थ्य की दृष्टि से उनकी गुणवत्ता बनी रहे और उपभोक्ता को ताजा उत्पाद प्राप्त हो सके। हमारा उद्देश्य 4 से 6 घंटे के भीतर उपभोक्ता के घर तक उत्पाद पहुंचाना है, और हमारे इस प्रयास में हम सफल रहे हैं।

किसान प्रशिक्षण

नई उन्नत किस्मों की फसल के बीज व प्राकृतिक जैविक खाद आदि के प्रयोग की जानकारी किसान के लिए आवश्यक है। अपनी जमीन एवं उपलब्ध पानी की जांच आदि के संबंध में जागरूक होने पर किसानों के सामने अनगिनत संभावनाएं खुल जाती हैं। हम समय–समय पर शबरी फॉर्म पर किसानों की संगोष्ठी आयोजित करते हैं, ताकि किसान भाई हमसे और हम उनसे कुछ सीख सकें। सभी को साथ लेकर चलना हमारा पहला उद्देश्य है।

प्री आर्डर / होम डिलीवरी

दूध से बने हुए उत्पादों जैसे मावा एवं पनीर का हम बड़ी मात्रा में प्रीऑर्डर पर उत्पादन करने में सक्षम है। इन उत्पादों की होम डिलीवरी की सुविधा हमारे पास उपलब्ध है।

उपलब्धि

हमे गर्व है कि शबरी कृषि एवं डेयरी फार्म प्रमुख रूप से महिलाओं की सक्रीय भागीदारी और उससे होने वाले सकारात्मक सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का जीता जागता उदाहरण है। हमारी संस्थापिका श्रीमती जसकौर मीना ने वर्षों पहले प्रथम महिला उद्यमी के रूप में इस व्यवसाय की शुरूआत की जिसमें ग्रामीण महिलायें बड़ी संख्या में शबरी स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई है एवं जीविकोपार्जन करने में सक्षम है।

Shabri Organic COMPANY
PROMISE OF PURITY

जसकौर मीना

सांसद
लोकसभा
दौसा, राजस्थान

संस्थापिका
शबरी डेयरी एवं कृषि फार्म

"दिशा वही- सोच नई"

शबरी डेयरी

शबरी कृषि फॉर्म के आधे भाग में स्थित है शबरी डेयरी। जिसमें पूर्ण रूप से देशी गाय से प्राप्त दूध एवं दूध से बने प्रोडक्ट जैसे पनीर, मावा व घी का उत्पादन होता है। यहां से हमारे न्यूनतम प्रोसेसिंग से गुजरे हुए दुग्ध उत्पाद आप तक पहुंचते हैं, जिनमें दूध, पनीर, मावा, घी ,मक्खन और छाछ प्रमुख है। उत्पादों के बनने से लेकर उपभोक्ता तक पहुंचने में लगने वाला समय 3 से 4 घंटे का है, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं आए। दूध की सप्लाई स्थानीय स्तर पर, सवाई माधोपुर व उसके आसपास के क्षेत्र में होती है जबकि मावा, पनीर घी आदि उत्पाद अन्य स्थानों तक आर्डर पर पहुंचाए जाते हैं। पशुपालन खासकर देशी गाय के पालन व उससे प्राप्त होने वाले समस्त उत्पाद स्वास्थ्य की दृष्टि से उच्च गुणवत्ता वाले तो होते ही हैं, साथ ही पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत कारगर सिद्ध हुए हैं। "पौष्टिक दूध के लिए पहली शर्त दुधारू पशुओं का उत्तम स्वास्थ्य है। हमारे डेयरी फार्म पर पशुओं के लिए उचित तापमान बनाए रखने के लिए फॉगर का इस्तेमाल गर्मियों में निरंतर किया जाता है। उन्नत पशु आहार और ऑटो फिलिंग सिस्टम के द्वारा पशुओं के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था रखी जाती है।"

प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, उनके बंटवारे और संसाधनों के मूल्य, खास तौर पर हमारे खाद्य उत्पाद और उनके उत्पादन के तरीकों में ऐसे बदलाव लाने के प्रयास किये जा रहे हैं जिससे कि संपूर्ण पर्यावरण को बचाने की ओर कदम बढ़ाया जा सके। ऑर्गेनिक डेयरी फार्मिंग पर्यावरण में होने वाले हानिकारक बदलाव को रोकने का एक प्रमुख साधन हो सकता है। यह ऑर्गेनिक खेती को बढ़ाने और बचाए रखने में सबसे अधिक मददगार घटक है। पशुपालन हर दृष्टिकोण से किसान के लिए फायदेमंद है। एक स्थानीय फार्मिंग और फूड सप्लाई सिस्टम हमारी पृथ्वी,हमारे पशु और हमारे मानव समाज के लिए सर्वश्रेष्ठ है।

आंवला

फिलेंथस एंबालिका, इंडियन गूज़ बैरी या आम भारतीय भाषा में आंवला, विटामिन सी का सबसे विश्वसनीय प्राकृतिक स्रोत है। शबरी फॉर्म पर लगभग 500 आंवले के पेड़ हैं जिनसे प्रतिवर्ष 600 टन आंवले का उत्पादन होता है। हमारे फॉर्म पर उत्पादित आंवला विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करने में उपयोग होता है जैसे आंवला पाउडर, अचार, मुरब्बा, चूर्ण, हेयर ऑयल आदि।

अमरूद

सवाई माधोपुर अपनी टाइगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और त्रिनेत्र गणेश मंदिर के लिए जितना प्रसिद्ध है, लगभग उतना ही यह यहां के स्वादिष्ट अमरूदों के लिए भी जाना जाता है। सवाई माधोपुर के अमरुद इतने अधिक पसंद किए जाते हैं कि वर्ष 2016–17 के सर्वे के अनुसार सवाई माधोपुर में जहां पर्यटन से सालाना 800 करोड़ रू. की आय हुई थी वहीं अमरूदों के कारोबार ने 1200 करोड़ का आंकड़ा पार किया था।

परंपरागत खेती से हटकर अमरूदों के बगीचे लगाने के कारण होने वाले अमरूद उत्पादन से स्थानीय कृषक तुलनात्मक रूप से अधिक मुनाफा प्राप्त कर संपन्नता की ओर बढ़े हैं। शबरी कृषि फार्म पर अमरूद के 500 पेड़ है जिससे प्रतिवर्ष 1000 टन अमरूदों का उत्पादन होता है।

वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद)

पेस्टिसाइड व केमिकल रहित खेती आज हमारे और हमारे पर्यावरण के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पहली आवश्यकता है। कृषि उपज में केमिकल्स के प्रयोग के अत्यंत हानिकारक परिणाम होते हैं। शबरी डेयरी फार्म पर पिछले 10 वर्षों से हम केंचुआ खाद (वर्मी कंपोस्ट) का निरंतर उत्पादन कर रहे हैं। डेयरी में देशी गायों से प्राप्त गोबर को पूर्ण वैज्ञानिक तकनीक से खाद में बदला जाता है। प्रतिवर्ष अनुमानित तौर पर 2500 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन होता है। वर्मी कंपोस्ट आने वाले वर्षों में पृथ्वी पर कृषि योग्य टॉप सॉइल को बचाने के लिए एक बहुत कारगर तकनीक साबित हो सकती है। 8 अक्टूबर 2010 में प्रारंभ प्रोजेक्ट की कुल राशि 17, 86, 000 रुपये थी जिसमें अनुदान राशि – 6, 58, 000 रुपये थी।

सब्जियां

सवाई माधोपुर क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से विश्व मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। रणथंभौर वाइल्डलाइफ सेंचुरी के चलते यहां देश–विदेश से वर्षभर पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। छोटे बड़े मिलाकर लगभग 300 होटल यहां स्थित हैं जिनमें पर्यटकों की मांग के मुताबिक, देशी–विदेशी खाना बनाया और परोसा जाता है। अधिकांश होटल विदेशी सब्जी और सलाद के लिए महानगरों से आने वाली सप्लाई पर निर्भर रहते हैं। शबरी फॉर्म पर हमने इन सब्जियों को ग्रीन हाउस एवं शेड नेट में उगाने की शुरुआत की और लगभग 30 प्रकार की सलाद व सब्जियों की मांग पूर्ति करने में सफलता प्राप्त की। ताजा ऑर्गेनिक सब्जियों की मांग स्थानीय स्तर पर भी बढ़ाने में हम सफल हुए हैं। मौसम के अनुसार शबरी फॉर्म पर हर प्रकार की सब्जियों की उपलब्धता रहती है। हमारे प्रमुख ऑर्गेनिक उत्पाद निम्न हैं –

सेम फली, खीरा, आलू, प्याज, पत्ता गोभी, शिमला मिर्च (लाल, पीली, हरी), मेथी, धनिया, गाजर, मूली, चुकंदर, शलगम, मटर, हरी मिर्च, पालक, लहसुन, कई प्रकार के सलाद पत्ते, जुकिनी, लौटस, बैंगनी कैबेज, सैलरी, और विभिन्न प्रकार की कॉन्टिनेंटल हर्ब्स।

पशु आहार

देसी गायों से प्राप्त दूध गुणवत्ता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। परंतु हर पशुपालक जानता है कि पशुओं के आहार पर दूध की श्रेष्ठ गुणवत्ता का बढ़ना या घटना निर्भर कर सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शबरी डेयरी फार्म पर हमारे पशुओं के लिए पशु आहार हम स्वयं बनाते आए हैं। जिससे सभी को स्वस्थ गायों का स्वास्थ्यवर्धक दूध पीने को मिल सके। पशु आहार बनाने में विभिन्न अनाजों व औषधीय गुणों से युक्त पौष्टिक प्राकृतिक पदार्थों का सही मिश्रण पशु विशेषज्ञों की देखरेख में निर्मित होता है, जिसे हम ना केवल स्वयं के दुधारू पशुओं को खिलाते हैं बल्कि इस उच्च कोटि के पौष्टिक पशु आहार का उत्पादन कर अन्य पशु पालकों को उपलब्ध भी करवाते हैं। पशु आहार में मुख्यतः बिनौला व सरसों की खल, चना, चावल की चूरी, ग्वार, श्यालू, मैथी, नमक, मक्का, बाजरा, गेहूं, गुड़, चपड़ा आदि मिलाए जाते हैं।

शबरी के प्रोडक्ट्स

आयुर्वेद में हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए प्राकृतिक नुस्खे और शुद्ध खानपान पर जोर दिया गया है। हम शबरी पर विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्यवर्धक जड़ी बूटियों को ऑर्गेनिक व प्राचीन पद्धति से उगाते हैं और उनके विभिन्न उत्पाद तैयार करते हैं। जैसे सौंदर्यवर्धक उबटन, आंवला एवं विभिन्न औषधियों से निर्मित हेयर ऑयल, देशी गुलाबों से बनाया हुआ गुलकंद, आंवला पाउडर, आंवला, नींबू, आम का अचार आदि।

साथ ही देशी गाय के गोबर से निर्मित विभिन्न उत्पाद शबरी लघु उद्योग केंद्र में बनाए जाते है। जिसमें धूपबत्ती, उपले, गो कास्ट लॉग्स व अगरबत्ती प्रमुख हैं जिनका उत्पादन शबरी लघु उद्योग केंद्र में होता है। इन उत्पादों के निर्माण में स्थानीय ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय भूमिका रहती है और उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

बकरी पालन (चलता फिरता ए.टी.एम.)

भूमिहीन एवं मजदूर वर्ग विशेषकर महिलाओं के लिए बकरी पालन आर्थिक सुदृढ़ीकरण का सर्वोत्तम साधन है। पांच बकरियों के पालन से प्रारंभ कर प्रतिवर्ष दो लाख रुपये तक कि आय प्राप्त हो सकती है। इसी योजना को मॉडल रूप में हमने शबरी डेयरी पर प्रस्तुत किया है। बकरी से प्राप्त दूध की उच्च गुणवत्ता रोगप्रतिरोधक का काम करती है और साथ ही साथ इस पशु का रखरखाव बहुत सरलता से किया जा सकता है।

फूल

कृषि के साथ हम विभिन्न प्रयोग करते आए हैं जिनमें फूलों की खेती भी एक है। वर्ष 2009 से 2014 तक हमने ग्रीन हाउस बना कर उसमें हॉलैंड देश के जरबेरा फूलों की खेती की, और राजस्थान की गर्म जलवायु में जरबेरा फूल की व्यवसायिक खेती को सफलतापूर्वक करने का गौरव प्राप्त किया। वह किसी चुनौती को स्वीकार करने और उसमें सफल होने का हमारा अब तक का सबसे कठिन लेकिन आत्मविश्वास बढ़ाने और संतुष्टि प्रदान करने वाला अनुभव था। जिस पर खरे उतरने का हमें गर्व है। देशी गुलाब और गेंदे के फूल भी शबरी की सुंदरता की पहचान है देशी गुलाब व लाल गुड़हल अपने आयुर्वेदिक गुणों के कारण हमारे विभिन्न उत्पादों में काम आते हैं।